त्रासदी के बीच एक अवसर

लेखक - अमिताभ मट्टू (प्रोफेसर, जेएनयू)

यह आलेख सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र-II (अंतर्राष्ट्रीय संबंध) एवं III (पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी) से संबंधित है।

द हिन्दू

08 जनवरी, 2020

"ऑस्ट्रेलिया के जंगलों में लगी आग भारत और ऑस्ट्रेलिया को ऊर्जा सहित अपने संबंधों को बेहतर करने का मौका देती है।"

लेखक डेविड हॉर्न ने एक बार ऑस्ट्रेलिया को 'भाग्यशाली देश' के रूप में वर्णित किया था, जिसका कारण प्राकृतिक संसाधनों की प्रचुरता, खुशनुमा मौसम और दुनिया की अशांति से इसका सापेक्ष भौगोलिक अलगाव था। आज, ऑस्ट्रेलिया के जंगलों में लगी आग के कारण 12 मिलियन हेक्टेयर से अधिक भूमि राख में तब्दील हो गई है, प्राकृतिक वनस्पतियाँ भी नष्ट हो गई हैं, हजारों जंगली जानवर, जिसमें लुप्तप्राय प्रजातियाँ भी शामिल हैं, जल कर मर गए हैं और कई निवासियों और पर्यटकों को अपना घर छोड़ कर जाना पड़ा है, कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि ऑस्ट्रेलिया एक बहुत बड़ी त्रासदी का सामना कर रहा है।

ऊर्जा पर संवाद

संकट के इस क्षण में, नई दिल्ली और कैनबरा के पास एक दुर्लभ अवसर है कि दोनों देश मिलकर 21वीं सदी के हितों और मूल्यों की एक मजबूत साझेदारी का निर्माण करें। जब मैंने (लेखक) मेलबर्न में पिछले महीने ऑस्ट्रेलिया इंडिया लीडरशिप डायलॉग की सह-अध्यक्षता की थी, तो रिश्ते की गहराई स्पष्ट थी, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों में संबंधों को बेहतर करने की गुंजाइश और प्राकृतिक आपदाओं से उत्पन्न चुनौतियाँ भी शामिल थीं।

जाहिर है, जंगल में लगी इस आग के परिणामस्वरूप, ग्लोबल वार्मिंग, जलवायु परिवर्तन और जीवाश्म ईंधन पर बहस आगे के हफ्तों में तेज होने जा रही है। ऑस्ट्रेलिया के प्रसिद्ध उपन्यासकार रिचर्ड फ्लानगन ने अपने विवादास्पद निबंध में एक निष्कर्ष दर्शाया है कि 'ऑस्ट्रेलिया आज जलवायु तबाही के संदर्भ में सबसे नाजुक बना हुआ है।'

जंगल की आग की वजह से एक अलग क़िस्म का मौसम पैदा होता है.
पायरो क्यूमुलोनिम्बस बादल कैसे बनते हैं

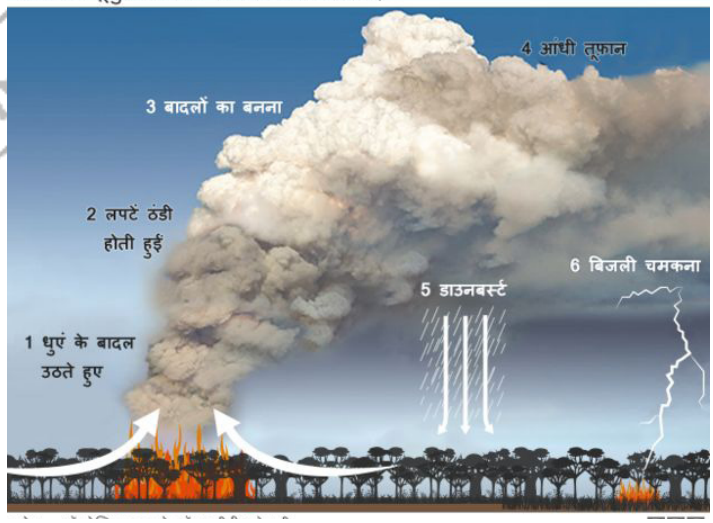

सबूत के रूप में, उन्होंने बताया कि ग्रेट बैरियर रीफ नष्ट हो रही है, वर्षा वन जल रहे हैं, विशाल केल्प वन (केल्प फॉरेस्ट केल्प के उच्च घनत्व के साथ पानी के नीचे का क्षेत्र है, जो दुनिया के तटीय इलाकों का लगभग 25% हिस्सा है) गायब हो गए हैं, कई शहरों से पानी गायब हो गए हैं या होने वाले हैं और अब यह विशाल महाद्वीप बड़े पैमाने पर जल भी रहा है।

श्री फ्लानगन अकेले ऐसे नहीं हैं जिन्होंनें ऐसी भविष्यवाणी की हो, बल्कि पूरे देश में पर्यावरण सक्रियता बढ़ गई है और

जहाँ हिंद महासागर डाईपोल (इसे भारतीय निनो के रूप में भी जाना जाता है, जो समुद्री सतह के तापमान का अनियमित दोलन है, जिसमें पश्चिमी हिंद महासागर बारी-बारी से गर्म और फिर समुद्र के पूर्वी हिस्से की तुलना में ठंडा हो जाता है) सूखे का कारण है और इस आग लगने की घटना से संबंधित है, जीवाश्म ईंधन के खिलाफ अभियान और कोयले का निर्यात आने वाले दिनों में तेज होना निश्चित है।

जीवाश्म ईंधन में एक बड़ी हिस्सेदारी के साथ दो अर्थव्यवस्थाओं के रूप में, भारत और ऑस्ट्रेलिया के लिए यह सुनिश्चित करना महत्त्वपूर्ण है कि ऊर्जा पर इनकी बातचीत गति प्राप्त करे। इसके लिए एक संयुक्त वैज्ञानिक कार्य बल की आवश्यकता होगी, जो जीवाश्म ईंधन के साथ-साथ जलवायु परिवर्तन और चरम जलवायु घटनाओं को जोड़कर 'स्वच्छ' कोयला प्रौद्योगिकी की क्षमता का अध्ययन करते हुए नवीनतम उपाय सुझाए। दोनों देशों को एक साथ अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन और अन्य वैकल्पिक ग्रीन ईंधन की खोज को सशक्त करना होगा।

वर्तमान में दोनों देश अत्यधिक अशांति, व्यवधान और यहाँ तक कि तोड़फोड़ के दौर से गुजर रहे हैं। उदाहरण के लिए, चीन तेजी से अपने हस्तक्षेपवादी और व्यापारीवादी नीति के माध्यम से हमारे दोनों देशों के लिए सबसे बड़ी चुनौती बना हुआ है।

सौभाग्य से, नई दिल्ली में राजनीतिक नेतृत्व और रणनीतिक समुदाय के बीच एक आम सहमति बनी हुई है कि ऑस्ट्रेलिया-भारत संबंध एक ऐसा विचार है जिसे और बेहतर करने का समय आ गया है। यदि दोनों देश समन्वय के रूप में काम करते हैं तो जल प्रबंधन से लेकर कौशल और उच्च शिक्षा तक, समुद्री और साइबर सुरक्षा से लेकर आतंकवादवाद तक, अवसरों की एक दुनिया दोनों देशों की प्रतीक्षा कर रही है।

कुछ साल पहले, सिडनी स्थित लोवी इंस्टीट्यूट के साथ मेलबर्न विश्वविद्यालय में ऑस्ट्रेलिया-भारत संस्थान ने प्रमुख विदेश नीति के मुद्दों और शासन की महत्त्वपूर्ण चुनौतियों पर भारतीय जनमत के सबसे व्यापक सर्वेक्षणों में से एक को कमीशन किया था। भारतीयों ने शीर्ष चार देशों में ऑस्ट्रेलिया को स्थान दिया। केवल अमेरिका, सिंगापुर और जापान उच्च स्थान पर रहे। आज, भारतीय यूरोपीय देशों और ब्रिक्स देशों की तुलना में ऑस्ट्रेलिया के प्रति अधिक झुका हुआ प्रतीत होता है।

अंग्रेजी-भाषी, बहुसांस्कृतिक, संघीय लोकतंत्रों के अलावा, ये दोनों देश कानून के शासन में विश्वास करते हैं और उनका सम्मान करते हैं। दोनों देशों को एक स्वतंत्र, खुला, समावेशी और नियम-आधारित इंडो-पैसिफिक क्षेत्र सुनिश्चित करने में रणनीतिक रुचि है, जिसमें दोनों देशों के द्वारा संप्रभुता का सिद्धांत और क्षेत्रीय अखंडता सुनिश्चित की जाने की बात कही गई है। इसके अलावा, भारत आज ऑस्ट्रेलिया में कुशल प्रवासियों का सबसे बड़ा स्रोत बन गया है और आर्थिक संबंध, जो पहले से ही मजबूत है, संभावित रूप से और बेहतर हो सकता है। कैनबरा में, क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक भागीदारी पर भारत की चिंताओं के बारे में काफी संवेदनशीलता है, जबकि अभी भी आशा है कि द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौते का निष्कर्ष जल्द ही आएगा।

एक महत्त्वपूर्ण साथी

छह दशकों से अधिक समय के बाद, गलत धारणा, भरोसे की कमी, उपेक्षा, गवाएँ गए मौके और यहाँ तक कि शत्रुता की विशेषता वाले ऑस्ट्रेलिया के साथ भारत के संबंधों में एक नया अध्याय अच्छी तरह से शुरू हो गया है। 1955 में, प्रधानमंत्री रॉबर्ट मेन्जीस ने फैसला किया कि ऑस्ट्रेलिया को बांडुंग एफ्रो-एशियाई सम्मेलन में भाग नहीं लेना चाहिए।

ऑस्ट्रेलिया को नई दुनिया से दूर करके, मेन्जीज (जिन्होंने ने बाद में कबूल किया कि पश्चिमी देशों ने भारत को नहीं समझा) ने भारतीयों को अलग-थलग कर दिया था, जिसके कारण प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू इससे काफी नाराज हुए थे। भारत और ऑस्ट्रेलिया को इस अतीत को भुलाकर भारत-प्रशांत के लिए एक नया संयुक्त मंच का निर्माण करना चाहिए।

नई दिल्ली और कैनबरा को 'टू प्लस टू' के प्रारूप और आगे बढ़ाने पर ध्यान देना होगा। भारत को यह संकेत देना चाहिए कि नई दिल्ली कैनबरा को वाशिंगटन और टोक्यो के रूप में एक महत्त्वपूर्ण भागीदार के रूप में मान्यता देता है।

संभावित प्रश्न (प्रारंभिक परीक्षा)

प्र. हिंद महासागर डाईपोल से संबंधित निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इसे भारतीय नीनो के नाम से जाना जाता है।
2. इसके कारण पश्चिमी हिंद महासागर बारी-बारी से गर्म एवं पूर्व की तुलना में ठंडा हो जाता है।
3. यह समुद्र सतह के तापमान का अनियमित दोलन है।

उपर्युक्त में से कौन-से कथन सत्य हैं?

(a) 1 और 2 (b) 2 और 3

(c) 1 और 3 (d) उपर्युक्त सभी

Expected Questions (Prelims Exams)

1. Consider the following statements in the context of Indian Ocean Dipole:

1. It is known as Indian Nino.
2. Due to this the western Indian Ocean becomes warmer alternately and cooler than the east.
3. It is an irregular oscillation of sea surface temperature.

Which of the above statements are correct?

(a) 1 and 2 (b) 2 and 3

(c) 1 and 3 (d) All of the above

नोट : 7 जनवरी को दिए गए प्रारंभिक परीक्षा (संभावित प्रश्न) का उत्तर 1 (a) होगा।

संभावित प्रश्न (मुख्य परीक्षा)

प्रश्न: 'भारत-आस्ट्रेलिया भले ही दो अलग गोलार्द्धों में बसे देश हों, किंतु प्राकृतिक आपदाओं से उत्पन्न चुनौतियां दोनों के लिए कई परिप्रेक्ष्य में समान हैं। ऐसे में जरूरी है कि दोनों देश साझा रणनीति के माध्यम से आगे बढें।' इस कथन का विश्लेषण कीजिए। (250 शब्द)

India-Australia may be countries in two different hemispheres, but the challenges posed by natural disasters are common to both in many perspectives. In such a situation, it is important that the two countries move forward through a common strategy. "Analyze this statement. (250 words)

नोट :- अभ्यास के लिए दिया गया मुख्य परीक्षा का प्रश्न आगामी UPSC मुख्य परीक्षा को ध्यान में रख कर बनाया गया है। अतः इस प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए आप इस आलेख के साथ-साथ इस टॉपिक से संबंधित अन्य स्रोतों का भी सहयोग ले सकते हैं।